तार : विश्वविद्यालय
Gram : university

टेलीफोन : कार्या0 : 2320496
कुलसचिव : निवास : 2321214
फैक्स : 0510– : 2320761

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
BUNDELKHAND UNIVERSITY.JHANSI

पत्रांकः– बु0वि0/ एके0/2016/ 11216– 11420 **दिनांकः–** 3/3/16

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय,झाँसी।

विषयः– संस्कृत विषय की पाठ्यक्रम समिति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक संस्कृत विषय की पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 20/10/2015 की संस्तुतियों को विद्यापरिषद की बैठक दिनांक 15/02/2016 को अनुमोदित हुआ है।

अतः आप उक्त विषय का पाठ्यक्रम शिक्षण सत्र 2016–2017 से अध्यापन का कार्य सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त

भवदीय
3/3/16
(व्यास नारायण सिंह)
कुलसचिव

संस्कृत
एम. ए (पूर्वार्द्ध) ~~परीक्षा सत्र 2003-2004 और आगे~~ शैक्षिक सत्र - 2016-2017
पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र - प्रथम (वेद, वैदिक साहित्य एवं प्राचीन भारतीय सभ्यता)

I ऋग्वेद - अग्नि 1/1 इन्द्र 1/7 सवितृ 1/35 उषस् 1/48 नदी 3/33 — 20

II ऋग्वेद - पूषन् 6/54 पुरुष 10/90 हिरण्यगर्भ 10/121 नासदीय 10/129 — 20

श्रद्धा 10/151

III केनोपनिषद् सम्पूर्ण - — 20

IV वैदिक साहित्य का इतिहास - — 20

(संहिताएँ, आरण्यक, ब्राह्मण, उपनिषद्, वेदांग पर्यन्त)

V प्राचीन भारतीय सभ्यता - — 20

(सिन्धु घाटी सभ्यता, वैदिक सभ्यता, मौर्य सभ्यता, गुप्त सभ्यता, रामायण कालिक सभ्यता, महाभारत कालिक सभ्यता)

सहायक ग्रन्थ - ऋक्सूक्त सुधाकर (साहित्य भण्डार मेरठ)। इण्डियन लिटरेचर भाग-1 विन्टरनित्ज। वैदिक साहित्य और संस्कृति - आचार्य बल्देव उपाध्याय। वैदिक साहित्य, संस्कृति एवं दर्शन - डॉ0 विश्वम्भर दयाल अवस्थी। वैदिक साहित्य का इतिहास पारसनाथ द्विवेदी। हिन्दू सभ्यता - डॉ0 आर0के0मुखर्जी। प्राचीन भारत - डॉ0 मजूमदार।

पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र - द्वितीय (व्याकरण तथा तुलनात्मक भाषा-विज्ञान)

I लघुसिद्धान्त कौमुदी से भू एवं एध् धातु के सम्पूर्ण रूपों की सिद्धि। — 20

II लघुसिद्धान्त कौमुदी से कृदन्त एवं तद्धित प्रकरण (अपत्याधिकार एवं स्त्री प्रत्यय) — 20

III व्याकरण साहित्य का इतिहास। — 20

IV भाषा-विज्ञान - — 20

1. भाषा विज्ञान का स्वरूप तथा क्षेत्र, 2. भाषा विज्ञान का व्याकरण से सम्बन्ध, 3. भाषा की उत्पत्ति (विभिन्न मत), 4. भाषा में परिवर्तन तथा उसके कारण

V भाषा विज्ञान - — 20

1. भाषाओं का वर्गीकरण, 2. भारोपीय भाषा परिवार, 3. भारतीय भाषा परिवार, 4. ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि नियम, 5. अर्थ विज्ञान।

सहायक ग्रन्थ - व्याकरण चन्द्रोदय तृतीयखण्ड (चारुदेव शास्त्री), भाषा विज्ञान (डॉ0 भोलानाथ तिवारी), तुलनात्मक भाषा विज्ञान (डॉ0 मंगल देव शास्त्री) सामान्य भाषा विज्ञान (डॉ0 बाबूराम सक्सेना), भाषा विज्ञान की भूमिका (डॉ0 कैलाश नाथ द्विवेदी)।

विभाग विशेषज्ञ विषय विशेषज्ञ सदस्य सदस्य

प्रश्नपत्र - तृतीय (काव्य एवं अलंकार) पूर्णांक 100

I	शिवराजविजयम् प्रथम निःश्वास ~~उत्तररामचरितम् - प्रथम अंक से तृतीय अंक पर्यन्त~~	30 ~~25~~
II	वेणीसंहार प्रथम से तृतीय अंक पर्यन्त ~~उत्तररामचरितम् - चतुर्थ अंक से सप्तम् अंक पर्यन्त~~	20 ~~25~~
III	मेघदूतम् (पूर्वमेघ) - प्रारम्भ से श्लोक 33 पर्यन्त	15
IV	मेघदूतम् (पूर्वमेघ) - श्लोक संख्या 34 से अन्त तक	15
V	काव्यप्रकाश से निम्न अलंकार	20

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा (भेदरहित), रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अपह्नुति, दीपक, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति, दृष्टान्त, अप्रस्तुत प्रशंसा, संसृष्टि, शंकर।

सहायक ग्रन्थ - संस्कृत साहित्य का इतिहास (डॉ0 बल्देव उपाध्याय), संस्कृत कवि दर्शन (डॉ0 भोलाशंकर व्यास) महाकवि भवभूति (डॉ0 शिवबालक द्विवेदी) महाकवि कालिदास (डॉ0 कैलाश नाथ द्विवेदी)।

प्रश्नपत्र - चतुर्थ (भारतीय दर्शन) पूर्णांक 100

I	तर्क भाषा - आरम्भ से प्रमाण पर्यन्त	25
II	वेदान्तसार - सम्पूर्ण	25
III	सांख्य कारिका - सम्पूर्ण	25
IV	उपर्युक्त ग्रन्थों से आलोचनात्मक प्रश्न	25

सहायक ग्रन्थ - भारतीय दर्शन (डॉ0 उमेश मिश्र), भारतीय दर्शन (डॉ0 राधाकृष्णन्), भारतीय दर्शन (डॉ0 बल्देव उपाध्याय), भारतीय दर्शन (दत्ता एवं चटर्जी), भारतीय दर्शन (डॉ0 हिरियन्ना)।

C

संयोजक

संयोजक

संस्कृत 2017-2018

एम. ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा सत्र ~~2004-2005~~ और आगे।

पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र - प्रथम (काव्य शास्त्र)

I	काव्यप्रकाश - प्रथम उल्लास से तृतीय उल्लास तक	20
II	काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास	20
III	काव्यप्रकाश से आलोचनात्मक अध्ययन	20
IV	ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत	20
V	ध्वन्यालोक से आलोचनात्मक प्रश्न	20

सहायक ग्रन्थ - अलंकार शास्त्र का इतिहास (डॉ0 पी0वी0 काणे), अलंकारों का क्रमिक विकास (पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी), भारतीय काव्यशास्त्र (सं कृष्णवल), भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (डॉ0 देशराज भाटी), भारतीय साहित्य शास्त्र (देशपाण्डे)

पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र - द्वितीय (नाट्य एवं नाट्य शास्त्र)

I	दशरूपक - प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश	20
II	दशरूपक - तृतीय तथा चतुर्थ प्रकाश	20
III	मृच्छकटिकम् - प्रथम अंक से पंचम अंक के वर्षा वर्णन पर्यन्त	30
IV	मृच्छकटिकम् से आलोचनात्मक प्रश्न	10
V	रत्नावली सम्पूर्ण	20

सहायक ग्रन्थ :

उपर्युक्त ग्रन्थों की विभिन्न व्याख्याएँ, भारतीय काव्यशास्त्र (सं0कृष्णबल), भारतीय साहित्य शास्त्र (देशपाण्डे), अलंकार शास्त्र का इतिहास (डॉ0 पी0वी0 काणे) भारतीय संस्कृत साहित्य का इतिहास (डॉ0 बल्देव उपाध्याय)।

[signatures] संयोजक

सं0वि0

पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र- तृतीय (महाकाव्य एवं गद्य काव्य)

I	नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग	20
II	शिशुपालवधम् - प्रथम सर्ग	20
III	कादम्बरी - उज्जयिनी वर्णनम् से विलासवती सान्त्वना तक	20
IV	कादम्बरी - विलासवत्यादेवताराधनम् से जातस्य कुमारस्य वर्णनम् तक	20
V	उपर्युक्त तीनों ग्रन्थों से आलोचनात्मक प्रश्न	20

पूर्णांक 100

प्रश्नपत्र-चतुर्थ (निबन्ध, अनुवाद व्याकरण एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

I	संस्कृत निबन्ध	20
II	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	20
III	सिद्धान्त कौमुदी से (कारक प्रकरण)	20
IX	संस्कृत महाकाव्यों एवं खण्ड काव्यों का इतिहास	20
V	संस्कृत गद्यकाव्य, नाट्य साहित्य का इतिहास	20

सहायक ग्रन्थ -

संस्कृत निबन्धावलि (डॉ0 रामकृष्ण आचार्य), लेखाञ्जलि (डॉ0 कैलाश नाथ द्विवेदी), संस्कृत साहित्य का इतिहास (डॉ0 बल्देव उपाध्याय), संस्कृत साहित्य का इतिहास (ए0बी0कीथ), अनुवाद चन्द्रिका (डॉ0 चारुदेव शास्त्री), संस्कृत नाटक (डॉ0 ए0बी0कीथ), हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर (डॉ0 सी0डी0दास गुप्ता), संस्कृत साहित्य का इतिहास (डॉ0 हरिदत्त शास्त्री)

एम. ए. उत्तरार्द्ध

संस्कृत, मौखिकी परीक्षा पूर्णांक 100